

Bihar witnessing growing startup culture across every district: Poundrik

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Industries Additional Chief Secretary Sandeep Poundrik highlighted Bihar's delayed entry into startup arena compared to other states. He expressed optimism in state's entrepreneurial prowess and dynamism, predicting rapid growth.

Poundrik was addressing an interactive session, facilitated by Rajesh Kumar Singh, Secretary of Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), government of India, organized here on Thursday. The session organized by CIMP-BIIF aimed to foster dialogue and collaboration between startups and government officials, promoting entrepreneurship and innovation in the region.

In his address, Poundrik addressed Bihar startup policies of 2016 and recently updated 2022 version. "Under the policy, startups are eligible to access a



seed fund of Rs 10 lakh and a second-stage fund of Rs 15 lakh, with possibility of receiving a matching grant of up to Rs 50 lakh upon securing investments from angel investors," he said, adding that "additionally, we have signed around 20 Memorandums of Understanding (MoUs) with mentors and incubators to provide essential guidance and support to startups."

Poundrik mentioned that around 550 startups have been recognized by Bihar Startup Policy in last two years. "Previously, our startup landscape was predominantly centered on Patna, but we are now witnessing a growing startup

culture across every district," Poundrik noted. "To further nurture this growth, we have established startup cells within institutions in each district, where regular workshops and training programs take place," he added.

The session commenced with inaugural address by Prof. (Dr.) Rana Singh, Director of Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP). "Bhub has been designed with a clear mission: to offer startups a comprehensive co-working and co-learning environment, providing support from pre-incubation through to incubation and post-incubation stages," he said. "Many of our startups are excelling across various sectors

including Agri-tech, Fin-tech, Drone-tech, and Edu-tech, demonstrating significant growth as they scale up their operations," he pointed out.

During the event, startups voiced concerns and suggestions spanning various areas such as procurement facilitation, incubator and investor availability, export support, and assistance with international exhibitions.

Additionally, Poundrik informed startups about Bihar Export Promotion Policy, which offers incentives for exporters, including 1% incentive for Rs 10 lakh exports and an additional 1% incentive for increased exports after one year. Moreover, he mentioned about the establishment of an export promotion cell.

He mentioned that distinct export bodies have been set up for different product categories, a pivotal move towards building an export infrastructure previously absent in Bihar.

Morning India ! Page N0-03

Date:19-12-2024

दो वर्षों में 550 स्टार्टअप को मिली है मान्यता : संदीप पौड्रिक



संवाददाता, पटना

भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह और बिहार सरकार के उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप पौड्रिक द्वारा संचालित एक इंटरैक्टिव सत्र गुरुवार को आयोजित किया गया. मौर्यालोक परिसर में बिहार सरकार द्वारा समर्थित और सीआइएमपी-बिजनेस इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (बीआइआइएफ) द्वारा प्रबंधित सह-कार्यशील स्थान बी-हब में आयोजित किया गया. सीआइएमपी-बीआइआइएफ द्वारा आयोजित सत्र का उद्देश्य स्टार्टअप्स और सरकारी अधिकारियों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना, क्षेत्र में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देना है. सत्र की शुरुआत चंद्रगुप्त प्रबंधन

संस्थान पटना (सीआइएमपी) के निदेशक प्रो राणा सिंह के उद्घाटन भाषण से हुई. उन्होंने कहा, बी-हब को एक स्पष्ट मिशन के साथ डिजाइन किया गया है. हमारे कई स्टार्टअप एग्री-टेक, फिन-टेक, ड्रोन-टेक और एडू-टेक सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं. संदीप पौड्रिक ने 2016 की बिहार स्टार्टअप नीतियों के बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में लगभग 550 स्टार्टअप को बिहार स्टार्टअप नीति द्वारा मान्यता दी गयी है. पहले, हमारा स्टार्टअप परिदृश्य मुख्य रूप से पटना पर केंद्रित था, लेकिन अब हम हर जिले में बढ़ती स्टार्टअप संस्कृति देख रहे हैं. इस विकास को आगे बढ़ाने के लिए, हमने प्रत्येक जिले में संस्थानों के भीतर स्टार्टअप सेल स्थापित किये हैं, जहां नियमित कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम होते हैं.

Prabhat Khabar!

Page NO-04

Date:29-12-2024

इंटरैक्टिव सत्र में स्टार्टअप्स से जुड़ें

पटना (आससे)। भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह और बिहार सरकार के उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप पौडिक द्वारा संचालित एक इंटरैक्टिव सत्र, गुरुवार को यहां मौर्य लोक में बिहार सरकार द्वारा समर्थित और सीआईएमपी-बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (बीआईआईएफ) द्वारा प्रबंधित सह-कार्यशील स्थान बी-हब में आयोजित किया गया था। सीआईएमपी-बीआईआईएफ द्वारा आयोजित सत्र का उद्देश्य स्टार्टअप्स और सरकारी अधिकारियों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना, क्षेत्र में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देना है। सत्र की शुरुआत चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) राणा सिंह के उद्घाटन भाषण से हुई। उन्होंने कहा, बी-हब को एक स्पष्ट मिशन के साथ डिजाइन किया गया है। स्टार्टअप्स को एक व्यापक सह-कार्य और सह-सीखने का माहौल प्रदान करना, प्री-इनक्यूबेशन से लेकर इनक्यूबेशन और पोस्ट-इनक्यूबेशन चरणों तक सहायता प्रदान करना। उन्होंने कहा, हमारे कई स्टार्टअप एग्री-टेक, फिन-टेक, ड्रोन-टेक और एडू-टेक सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और अपने परिचालन को बढ़ाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण वृद्धि का प्रदर्शन कर रहे हैं। सत्र में, संदीप पौडिक ने 2016 की बिहार स्टार्टअप नीतियों और हाल ही में अद्यतन 2022 संस्करण को संबोधित किया। नीति के तहत, स्टार्टअप 10 लाख रुपये के शुरुआती फंड और 15 लाख रुपये के

दूसरे चरण के फंड तक पहुंचने के पात्र हैं, जिसमें एंजेल निवेशकों से निवेश हासिल करने पर 50 लाख रुपये तक का अनुदान प्राप्त करने की संभावना है। पौडिक ने कहा, इसके अतिरिक्त, हमने स्टार्टअप्स को आवश्यक

और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में सहायता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में चिंताओं और सुझावों को व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त, पौडिक ने स्टार्टअप्स को बिहार निर्यात प्रोत्साहन नीति के बारे में जानकारी दी, जो निर्यातकों के लिए



मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए सलाहकारों और इनक्यूबेटरों के साथ लगभग 20 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में लगभग 550 स्टार्टअप को बिहार स्टार्टअप नीति द्वारा मान्यता दी गई है। पौडिक ने कहा, पहले, हमारा स्टार्टअप परिदृश्य मुख्य रूप से पटना पर केंद्रित था, लेकिन अब हम हर जिले में बढ़ती स्टार्टअप संस्कृति देख रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान, स्टार्टअप्स ने खरीद सुविधा, इनक्यूबेटर और निवेशक उपलब्धता, निर्यात समर्थन

प्रोत्साहन प्रदान करती है, जिसमें 10 लाख रुपये के निर्यात के लिए 1 ल प्रोत्साहन और एक वर्ष के बाद बढ़े हुए निर्यात के लिए अतिरिक्त 1 ल प्रोत्साहन शामिल है। इसके अलावा उन्होंने एक्सपोर्ट प्रमोशन सेल की स्थापना का भी जिक्र किया। विवेक रंजन मैत्रेय, निदेशक, हथकरघा और रेशम उद्योग, उद्योग, बिहार सरकार दिलीप कुमार, विशेष सचिव, उद्योग, बिहार सरकार और सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ कुमोद कुमार भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

Aaj ! Page N0-02

Date:29-12-2024

स्टार्टअप नीति को प्रोत्साहित करने को सरकार संकल्पित

पटना (एसएनबी)। भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह और बिहार सरकार के उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप पौडिक द्वारा संचालित एक इंटरैक्टिव सत्र गुरुवार को मौर्यलोक में बिहार सरकार द्वारा समर्थित और सीआईएमपी-बिजनेस इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (बीआईआईएफ) द्वारा प्रबंधित सह कार्यशील स्थान बी-हब में आयोजित किया गया था। सीआईएमपी-बीआईआईएफ द्वारा आयोजित सत्र का उद्देश्य स्टार्टअप्स और सरकारी अधिकारियों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना, क्षेत्र में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देना है। सत्र की शुरुआत चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) के निदेशक प्रोफेसर राणा सिंह के उद्घाटन भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि बी-हब को एक स्पष्ट मिशन के साथ डिजाइन किया गया

है। स्टार्टअप्स को एक व्यापक माहौल प्रदान करना, प्री-इनक्यूबेशन से लेकर इनक्यूबेशन और पोस्ट-इनक्यूबेशन चरणों तक सहायता प्रदान करना। उन्होंने कहा कि हमारे कई स्टार्टअप एग्री-टेक, फिन-टेक, ड्रोन-टेक और एडू-टेक सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और अपने परिचालन को बढ़ाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण वृद्धि का प्रदर्शन कर रहे हैं। सत्र में संदीप पौडिक ने 2016 की बिहार स्टार्टअप नीतियों और हाल ही में अद्यतन 2022 संस्करण को संबोधित किया। नीति के तहत स्टार्टअप 10 लाख रुपए के शुरुआती फंड और 15 लाख रुपए के दूसरे चरण के फंड तक पहुंचने के पात्र हैं, जिसमें एंजेल निवेशकों से निवेश हासिल करने पर 50 लाख रुपये तक का अनुदान प्राप्त करने की संभावना है। पौडिक ने कहा कि इसके अतिरिक्त हमने स्टार्टअप्स को आवश्यक

■ प्रत्येक जिले में स्थापित किये गये हैं स्टार्टअप सेल : पौडिक

मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए सलाहकारों और इनक्यूबेटरों के साथ लगभग 20 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में लगभग 550 स्टार्टअप को बिहार स्टार्टअप नीति द्वारा मान्यता दी गई है। पौडिक ने कहा कि पहले हमारा स्टार्टअप परिट्यूथ मुख्य रूप से पटना पर केंद्रित था। लेकिन अब हम हर जिले में बढ़ती स्टार्टअप संस्कृति देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विकास को आगे बढ़ाने के लिए हमने प्रत्येक जिले में संस्थानों के भीतर स्टार्टअप सेल स्थापित किए हैं जहां नियमित कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम होते हैं। कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअप्स ने खरीद सुविधा, इनक्यूबेटर और निवेशक उपलब्धता, निर्यात समर्थन और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में सहायता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में चिंताओं और सुझावों को व्यक्त किया।

इसके अतिरिक्त पौडिक ने स्टार्टअप्स को बिहार निर्यात प्रोत्साहन नीति के बारे में जानकारी दी जो निर्यातकों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है, जिसमें 10 लाख रुपये के निर्यात के लिए 01 प्रतिशत प्रोत्साहन और एक वर्ष के बाद बढ़े हुए निर्यात के लिए अतिरिक्त 01 प्रतिशत प्रोत्साहन शामिल है। उन्होंने उल्लेख किया कि विभिन्न उत्पाद श्रेणियों के लिए अलग-अलग निर्यात निकाय स्थापित किए गए हैं जो निर्यात बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो पहले बिहार में अनुपस्थित था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार डीप टेक स्टार्टअप क्षेत्र के लिए एक अलग फंडिंग और पॉलिसि विंडो पर काम कर रही है। डीपीआईआईटी सचिव ने कहा कि हमारा लक्ष्य स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना है जो वास्तव में बौद्धिक संपदा का निर्माण कर सकते हैं जो व्यवसायीकरण योग्य, पेटेंट योग्य है और पूरे देश के लिए मूल्य पैदा कर सकता है।

Rashtriya Sahara ! Page NO-02

Date:29-12-2024